अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2021) दिनांक : 29-08-2021

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ (जीव-अजीव)–40

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें– 10

(जीव)–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) जीव का नाम पुद्गल क्यों है?

(ख) आचार्य भिक्षु ने आध्यात्मिक वीर किसे कहा है?

(ग) समकित का क्या अर्थ है?

(घ) भाव जीव किसे कहते हैं?

(ङ) स्वामीजी ने जीव को रंगण क्यों कहा है?

(अजीव)–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(च) संयोग किसे कहते हैं, भेद सहित लिखें।

(छ) समय क्षेत्र किसे कहते हैं?

(ज) अजीव पदार्थ की परिभाषा लिखें।

(झ) आचार्य भिक्षु ने 'नव पदार्थ' में भाव पुद्गल के कौन-कौन से उदाहरण दिये हैं?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) जीव द्रव्य कैसे हैं? ***'अथवा'*** जीव को विकर्त्ता किस अपेक्षा से कहा गया है?

(ख) काल की पर्याय व समय अनन्त कैसे है? ***'अथवा'*** आकाश को गमन व स्थिति का कारण क्यों नहीं माना गया?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 20

(क) भाव कितने हैं? उसके प्रकार व्याख्या सहित लिखें। ***'अथवा'***

सिद्ध करें कि आत्मा, शरीर व इन्द्रिय से भिन्न एक स्वतन्त्र द्रव्य है।

(ख) पुद्गल की गतिशीलता को सिद्ध करें। ***'अथवा'***

पुद्गल के जघन्य व उत्कृष्ट स्कंध का क्षेत्र-प्रमाण कितना है?

अवबोध (जीब-संवर)–30

प्र. 4 किन्हीं सात प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 7

(क) जीव का लक्षण क्या है?

(ख) क्या चतुःस्पर्शी भाषा वर्गणा सुनी जा सकती है?

(ग) पापबंध के मुख्य हेतु क्या है?

(घ) योग आश्रव कितने गुणस्थान तक है?

(ङ) संवर की स्थिति कितनी है?

(च) सांशयिक मिथ्यात्व किसे कहते हैं?

(छ) पुण्य की स्थिति कितनी है?

(ज) परमाणु में दो स्पर्श कौन से पाते हैं?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें– 8

(क) उत्पन्न होने वाला जीव ओज आहार के सहारे ही बढ़ता है या अन्य आहार भी ग्रहण करता है?

(ख) नमस्कार पुण्य को अलग क्यों बताया गया है?

(ग) प्राणातिपात विरमण संवर आदि पन्द्रह भेद किसके अन्तर्गत आते हैं, न्याय सहित लिखें।

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें– 15

(क) मिथ्यात्व के प्रकार भेद सहित लिखें।

(ख) पुण्यानुबंधी पुण्य की चौभंगी लिखें।

(ग) पुण्यबंध के कितने प्रकार हैं?

(घ) संस्थान किसे कहते हैं? जीव और पुद्गल के संस्थान बतायें।

(ङ) क्या आगम प्रमाणों से यह सिद्व होता है कि आश्रव जीव है?

अमृत कलश भाग-3 (छठा-सातवां चषक–तप को छोड़कर)–30

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें– 5

(क) सम्यक्त्व प्राप्ति के हेतु क्या है?

(ख) घनघाती से क्या तात्पर्य है?

(ग) 'मंगल' शब्द से क्या तात्पर्य है?

(घ) करण और योग से क्या तात्पर्य है?

(ङ) प्रतिक्रमण किस सूत्र का अंग है?

(च) देशव्रती श्रावक कौन होता है?

(छ) श्रावक को कितनी श्रेणियों में विभक्त किया गया है?

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दो-तीन पंक्ति में लिखें– 10

(क) ठाणं सूत्र के अनुसार गणनायक की शक्ति सम्पन्नता के चार अवयव कौन से हैं?

(ख) श्रावक जन्म से होता है या कर्म से?

(ग) श्रावक कौन होता है?

(घ) सामायिक और संवर में क्या अंतर है?

(ङ) अर्हत् की वंदना क्यों करते हैं?

(च) वीतराग की शरण लेने से क्या तात्पर्य है?

(छ) णमोक्कार मंत्र को सब मंगलों में प्रधान मंगल किस दृष्टि से कहा गया है?

प्र. 9 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) सम्यक्त्व को सुरक्षित कैसे रखा जा सकता है?

(ख) प्रतिक्रमण से क्या लाभ होता है?

(ग) क्या श्रावक स्थावर जीवों की हिंसा से बच सकता है?

(घ) सामायिक किसे कहते हैं?

(ङ) अर्हंतों की अपेक्षा सिद्धों का स्थान ऊँचा है। फिर पहले अर्हंतों को और बाद में सिद्धों को नमस्कार क्यों किया किया गया?